अध्यक्षीय संदेश.....

अनेकानेक कठिनाईयों के बावजूद 'राजर्षि सन्देश' के समय से प्रकाशित, जुलाई–दिसम्बर, 2022 के अंक के लिये प्रकाशन दल को बहुत–बहुत बधाई। विचार में आया कि हम स्वर्गीय चंद्रशेखर जी का जीवन परिचय इस अंक में प्रकाशित करें। आज के भागमभाग और स्वार्थी परिवेश में भी एक सच्चे जननायक, समतावादी, अपने विचारों पर अडिग रहने वाले जननेता को याद करना और लोगों को याद दिलाना भी उन विचारों के प्रति श्रद्धांजलि है। जिन सदस्यों के प्रयत्न से यह संभव हो पाया है, उन्हें कोटिशः धन्यवाद एवं बधाई।

जलवायु विषयक परिचर्चा समसायिक है। जलवायु परिवर्तन मूलक है। कृषि में विशेष महत्व है। मानव की गतिविधियों का इस पर असर पड़ता है। प्रकृति अपने आपको संतुलित करने में सक्षम है, पर अगर संसाधनों का दोहन सीमा को पार करने लगे, तो जलवायु परिवर्तन का असर सभी जीवों एवं कृषि पर भी दिखाई पड़ने लगता है। यह विषय इस दौर का चिंता बढ़ाने वाला विषय हो गया। असमय की मौसम परिवर्तन विभिन्न तरह की बाधाएं उत्पन्न करने लगा है, जिसका प्रभाव कृषि पर बहुत ज्यादा है।

इस अंक में इस विषय पर व्यापक चर्चा है जिसमें अनुकूल तकनीक का उल्लेख है। कृषि विकास की सतत् वृद्धि भी कई मुश्किलों का सामना कर रही है, जिनकी चर्चा है, इस अंक में है। जनसुविधाओं का हिमालय क्षेत्र में विकास भी प्रश्नों की परिधि में है जिसका मूल्यांकन जीव–रक्षा तथा जलवायु के लिये जरुरी है। यह अंक आगामी जनवरी से जून की गतिविधियों के बारे में भी राय देता है।

कुल मिलाकर यह अंक किसानों, पर्यावरण विदों तथा कृषि वैज्ञानिकों के लिये ज्ञानप्रद सूचनायें देता है । आशा है कि किसान भाई इससे लाभान्वित होंगे ।

– अध्यक्ष
रॉयल विज्ञान सेवित सामाजिक सांस्कृतिक संस्था

सम्पादकीय.....

'राजर्षि संदेश' किसानों एवं बागवानों को समय–समय पर उनकी आय बढ़ाने के लिए विभिन्न विषयों पर जानकारी देने के लिए प्रकाशित किया जाता है। यह चतुर्थ वर्ष का द्वितीय अंक है। इस अंक में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व० चन्द्रशेखर जी का जीवन परिचय के साथ–साथ कुछ प्रमुख लेख जैसे कृषि विकास की मुश्किलें, जलवायु परिवर्तन, एक वैश्विक मुद्दा, जलवायु परिवर्तन, शमन और अनुकूलन तकनीक, एक सतत् पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जैविक आच्छादन का उपयोगए उत्तर–पश्चिमी हिमालय में हल्दी की जैविक खेती, हिमाचल प्रदेश – बेमौसमी सब्जियों का एक उभरता हुआ केंद्र एवं कृषि में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) की भूमिका भी सम्मिलित किए गए है। अगामी जनवरी से जून की कृषि गतिविधियाँ भी इस अंक में सम्मिलित की गयी है जो किसान भाईयों के आय बढ़ाने में सहायक होगा। हम आशा करते हैं कि 'राजर्षि संदेश' का यह अंक पाठकों के लिये ज्ञानवर्धक होगा।

अंत में संपादक मंडल अपने सभी सुधिपाठकों को नववर्ष 2023 की अग्रिम शुभकामनायें प्रेषित करता है।

– सम्पादकीय मण्डल